

# Aam Bagwani - Prashikshan Pustika

Training manual for farmers on Mango Plantation in Hindi

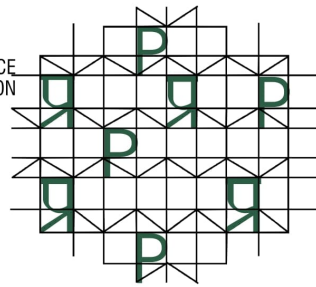
[Download](#)

- [View report on "Aam Bagwani - Prashikshan Pustika"](#)

# View report on "Aam Bagwani - Prashikshan Pustika"

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



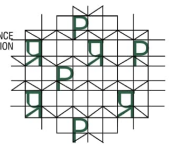
## Gumla

आम बागवानी  
प्रशिक्षण पुस्तिका

आम बागवानी-  
प्रशिक्षण पुस्तिका

प्रदान  
Pradan

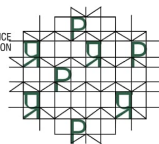
PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



## जमीन का चुनाव :

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



ध्यान देने योग्य बातें :

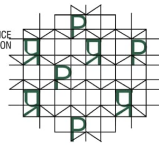
- सही तरीका से बगान का निगरानी के लिए जमीन का चुनाव गाँव या टोला के नजदीक करना है।
- बगान के लिए सिंचित जमीन का ही चुनाव करना है।
- जमीन का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि 4 से 5 किसानों का जमीन एक जगह में हो।
- छायेदार जगह में जमीन का चुनाव नहीं करना है।



## गड्ढा खुदाई के लिए जमीन मापी

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



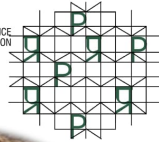
- फरवरी महीना में गड्ढा खुदाई के लिए जमीन मापी शुरू कर देना है।
- पहला गड्ढा किनारे से 10 फी० छोड़कर करना चाहिए।
- दो गड्ढों के बीच में 20फी० X 20 फी० की दूरी होना चाहिए।
- जमीन मापी जमीन के सीधे वाले बड़े किनारे से शुरू करना चाहिए।



## गड्ढा खुदाई एवं आकार

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

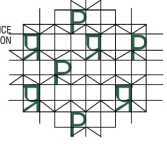




## घेरा

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



- जीवित घेरा: सिन्दुवार, पुटुस या थैथर का पौधा को बाँस के साथ बाँध कर बारिस के मौसम में लगाया जा सकता है। धीरे-धीरे ये मजबूत घेरा बन जाएगा।
- सूखा घेरा: ये घेरा किसी भी सुखी शाखा को बाँस के साथ बाँध कर लगाया जा सकता है। बाँस या कोई भी खुटा को घेरा पर सहयोग के लिए बनाया जा सकता है।
- पेड़ आने से पहले घेरा बना लेना चाहिए ताकि पेड़ों का बचाव हो सके।
- बरसात के दौरान जीवित घेरा में वनीय पौधा या जलावन वाले पेड़ जैसे गम्हार, टीक, ग्लेरिसिडिया, को लगाया जा सकता है।

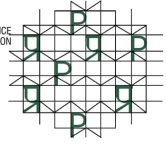
### बरसात के बाद जीवित घेरा



## खाद का प्रयोग

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### हड्डी चूर्ण

- बारीक हड्डी चूर्ण को खाद के रूप में प्रयोग करना है। 1 किलो प्रति गड्ढा में हड्डी चूर्ण देने से फॉस्फेट 23% से 30% और नाइट्रोजन 2% से 4% मिलेगा इसका खर्च 20 ₹0 प्रति किलो पड़ेगा।

### नीम खल्ली.

- इसे भी 1 किलो प्रति गड्ढा देना चाहिए।
- इसका खर्च 17 ₹0 प्रति किलोग्राम पड़ेगा।

### केंचुआ खाद.

- चूंकि इसकी ज्यादा जरूरत होती है, इसे 10 से 15 किलोग्राम प्रति गड्ढा देना है। पता करना, मंगाना एवं रखना एक चैलेंज है। दूसरे जगह से मंगाने में समय एवं खर्च ज्यादा लगता है। अतः घर में केंचुआ खाद का उत्पादन करना चाहिए।



हड्डी चूर्ण



नीम खल्ली



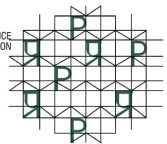
केंचुआ खाद

18.01.2009

## खाद का प्रयोग

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

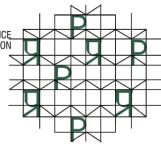




## पौधा रोपने से पहले उपचार

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

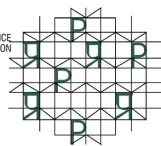


पौधा रोपने से पहले जड़ वाले भाग को बाइफ्लेक्स टी० सी० १ मिली०/ली० पानी से या क्लोरापाइरीफोस ३ मिली०/ली० पानी से भिगोएँ या स्प्रे करें।

## पौधों को खेत में ले जाना

प्रदान  
Pradan

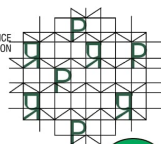
PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



## पौधों की रोपाई

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

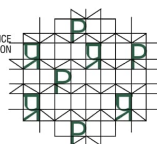




## घेरा के किनारे जंगली पौधों की रोपाई

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

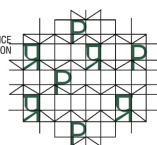


भविष्य में घेरा के लिए एवं आम पौधे को जोर हवा से बचाव के लिए शीशम, सागवान, गम्हार या हरित खाद के रूप में ग्लिरिसिडिया को जुलाई अगस्त में लगा देना है।

## बगान में खेती

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

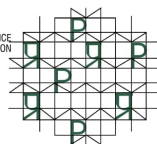


- सिंचित एवं घेरा किए हुए जमीन बहुमूल्य होता है।
- इस तरह आधा एकड़ जमीन से एक मौसम में 7,000 से 10,000 रूपया तक का आमदनी कर सकते हैं।
- बागवानी में खेती के जरीए किसान का रुचि बना रहेगा और बागान का देख-रेख भी होगा।
- इससे फल नहीं लेनेवाला पहला तीन साल में भी आमदनी आती रहेगी।
- अन्तः फसल का चुनाव परिवार की जरूरत, मौसम एवं बाजार के हिसाब से किया जाना चाहिए।

## रोपाई के बाद देख रेखः 1 साल के पौधे में

प्रदान  
Pradan

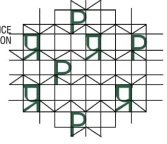
PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



## रोपाई के बाद देख रेख : 1 साल के पौधे में

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### ठंडा मौसम में (नवम्बर से फरवरी)

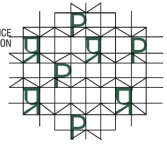
- जड़ के किनारे जमीन में तिरछा छेद करके दीमक रोधी दवा जैसे लीथल 2 मि०ली०/ली० या सुपर लीथल 1 मि०ली०/ली० या बायफ्लेक्स टी सी 1 मि०ली०/ली० के हिसाब से हर महिना में एक बार देना है।
- सिंचाई दिसम्बर से हर सप्ताह गोल थल्ला बनाकर नाली में पानी देना है।
- थल्ला का मल्लिंग करंज पत्ता या घास या काला प्लास्टिक (50 माइक्रोन पतला) से करने से जमीन में नमी बना रहता है।
- मिलीबग लगे पत्ते एवं डाली को काटकर जला दें या कहीं दूर मिट्टी में गाड़ देना बहुत जरूरी है।
- मिलीबग से बचाने के लिए एकतारा 1 ग्रा० / 3 ली० पानी से या कोनफीडोर 1 मि०ली० / 3 ली० पानी से या मेटासिल 2 मि०ली०/1 ली० पानी में मिलाकर छिड़काव करना जरूरी है।



## रोपाई के बाद देख-रेख : 1 साल के पौधे में

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### ठंडा मौसम में (नवम्बर से फरवरी)

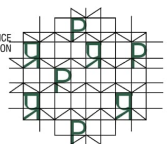


- तना का पेंटिंग ब्लूकॉपर 3 ग्रा० / 1 ली० पानी में मिलाकर करना है, ताकि हानिकारक सूक्ष्मजीव से फटे तना का बचाव हो सके।
- किचेनगार्डेन मिक्सचर का 3 ग्रा०/1 ली० पानी में मिलाकर 15 दिन के अंतराल में 2 बार छिड़काव करना है जिससे सूक्ष्मत्व के कमी को दूर किया जा सके।
- पौधा अचानक मरने एवं पत्ता सुखने से बचाने के लिए बेबिस्टिन का 2 ग्राम/ली० पानी से 15 दिन के अन्तराल में 2 से 3 बार छिड़काव करना है।
- अन्तः फसल की खेती करते रहें।
- घेरा का मरम्मत करते रहना है।
- तीन साल तक के आम पौधा का फूल (मंजर) को सुरक कर हटाने के बाद सूख जाने पर फूल (मंजर) के डंठल को तोड़कर हटा देना अनिवार्य है।
- एच० (H) आकार का खूँटा देना है।
- दो खूँटा को अलकतरा से रंगकर पौधा से डेढ़ फीट दूर खड़ा गाड़ करके पौधा के बीच में रखते हुए आपस में तीनों को एक लकड़ी से एक साथ बाँध देना है। पौधा लम्बा होने की स्थिति में दो जगह बाँधना हर हाल में जरूरी है।

## रोपाई के बाद देख-रेख : 1 साल के पौधे में

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

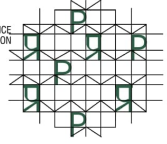




## H आकार का खूँटा : पौधा को हवा से बचाव के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



मंजर को  
हटाए



H खूँटा

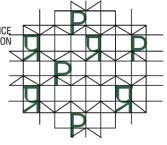


- पौधे को दो खूँटा से बंधे हुए बाँस के साथ अच्छी तरह से बाँध देना है।
- दीमक से बचाव के लिए दोनो खूँटा के नीचे जमीन के अन्दर वाले भाग को अलकतरा या जले हुए मोबील से रंग देना चाहिए।

## 2 से 4 साल के पौधे का देख रेख

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



बरसात के मौसम में (जुलाई से अक्टूबर)

- जड़ के किनारे कम से कम 2 बार कोड़ा खाभा करें। 100 ग्रा0 एन. पी. के. खाद (10:26:26) प्रति पौधा हर बार कोड़ा खाना के समय प्रयोग करें।
- अगस्त से अक्टूबर तक हर महीना एक बार बाइफ्लेक्स टी सी 1 मिली0 या लीथल सुपर 2मिली0 प्रति ली0 पानी में मिलाकर जड़ के किनारे प्रयोग करें।
- अगस्त से अक्टूबर तक हर महीना एक बार कम्पेनियन या साफ 2 ग्रा0 / ली0 पानी में मिलाकर पत्ते पर छिड़काव करें।
- बगान में अन्तः फसल जरूर लगाए।
- पौधा को हवा से बचाव के लिए H आकार का खूँटा लगाना है।
- जुलाई माह में कटाई छँटाई: अन्दर की तरफ बढ़ने वाले डाली को काट देना चाहिए। एवं बीच के मुख्य डाली को भी काट देना है।
- तना छेदक से बचाने के लिए सेविन या साईपरमैथ्रीन का 2 ग्रा0/ली0 पानी से स्प्रे करें।



फफूँद नाशक स्प्रे

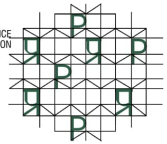


तना छेदक

## 2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

प्रदान Pradan

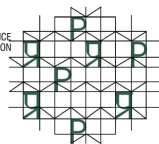
PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



## 2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):

- जड़ के किनारे जमीन में तिरछा छेद करके दीमक रोधी दवा जैसे लीथल 2 मि०ली०/ली० या सुपर लीथल 1 मि०ली०/ली० या बायफ्लेक्स टी सी 1 मि०ली०/ली० के हिसाब से हर महीना में एक बार देना है।
- सिंचाई नवम्बर से हर सप्ताह गोल थल्ला बनाकर नाली में पानी देना है। लेकिन फल लेने वाले पौधा में जनवरी से सिंचाई तब तक रोक देना है जब तक फूल(मंजर) से फल मूंग आकार का न हो जाय। फल मूंग आकार का होने के बाद सिंचाई भरपूर करना है।
- थल्ला का मल्टिचिंग करंज पत्ता या घास या काला प्लास्टिक(50 माईक्रोन पतला) से करने से जमीन में नमी बना रहता है।
- मिलीबग लगे पत्ते एवं डाली को काटकर जला दें या कहीं दूर मिट्टी में गाड़ देना बहुत जरूरी है।



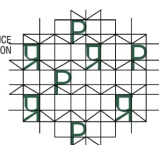
पानी एवं  
ब्लू कॉपर  
के साथ  
पौधा के  
तना को  
रंगना



## 2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):



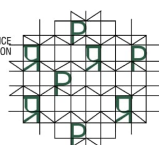
अन्तःफसल  
की खेती

- मिलीबग से बचाने के लिए एकतारा 1 ग्रा० /3 ली० पानी या कोनफीडोर 1 मि०ली० /3 ली० पानी या मेटासिल 2 मि०ली० /1 ली० पानी में मिलाकर छिड़काव करना जरूरी है।
- तना का पेंटिंग ब्लूकॉपर 3 ग्रा० /1 ली० पानी में मिलाकर करना है, ताकि हानिकारक सूक्ष्मजीव से फटे तना का बचाव हो सके।
- किचेनगार्डेन मिक्सचर का 3 ग्रा०/1 ली० पानी में मिलाकर 15 दिन के अंतराल में 2 बार छिड़काव करना है जिससे सूक्ष्मत्व के कमी को दूर किया जा सके।
- पौधा अचानक मरने एवं पत्ता सुखने से बचाने के लिए बेबिस्टिन का 2 ग्राम/ली० पानी से 15 दिन के अन्तराल में 2 से 3 बार छिड़काव करना है।
- अन्तःफसल की खेती करते रहें।
- घेरा का मरम्मत करते रहना है।
- तीन साल तक के आम पौधा का फूल(मंजर) को सुरक्षित हटाने के बाद सुख जाने पर फूल(मंजर)के डंठल को तोड़कर हटा देना अनिवार्य है।
- एच० (H) आकार का खूँटा का मरम्मत करते रहना है।

## 2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

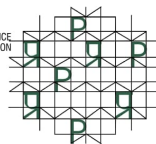




## चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख-रेख

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### बारसात (जुलाई से अक्टूबर)

- कोड़ा खाभा करके खरपतवार निकासी महीना में 2 बार करें।
- पहला कोड़ा खाभा करने के समय प्रत्येक पौधा में 300 ग्रा0 एन. पी. के. खाद (12:32:16) देना है। 5 वें साल से प्रत्येक साल 160 ग्रा0 प्रति पौधा में बढ़ाकर देना है।
- थल्ला में तिरछा छेदकर दीमक नाशी घोल को महीना में एक बार देना है।
- पत्ता में फफूंदनाशक जैसे:-कम्पेनियन, साफ या सीक्सर का 2ग्रा0/ली0 पानी से प्रत्येक महीना छिड़काव करना है।
- अन्तः फसल का देखभाल करते रहना।
- जुलाई माह में कटाई - छँटाई : अन्दर की तरफ बढ़ने वाले डाली को काट देना चाहिए।
- एवं बीच के मुख्य डाली को भी काट देना है।
- एकालक्स 2 ग्रा0 /ली0 के हिसाब से नए पत्ते एवं तना के उपरी भाग पर 15 अगस्त से 15 दिन के अन्तराल पर 2 बार स्प्रे करना है।
- तना छेदक से बचाने के लिए सेविन या साईपरमेथ्रीन का 2ग्रा0/ली0 पानी से स्प्रे करें।
- बैक्टीरियलकैन्कर से बचाव के लिए क्रोसीन ए0जी0 1ग्रा0/5 ली0 पानी से स्प्रे करें।
- फल तोड़ाई के बाद सुखे मंजर एवं फल डंठल को काट देना है।

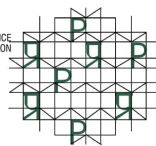


अन्तः  
फसल

## चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख-रेख

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):

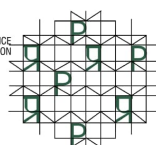
- थल्ला में तिरछा छेद करके दीमक रोधी दवा जैसे लीथल 2 मि0ली0/ली0 या सुपर लीथल 1 मि0ली0/ली0 या बायफ्लेक्स टी सी 1 मि0ली0/ली0 के हिसाब से हर महीना में एक बार देना है।
- थल्ला का मल्विंग करंज पत्ता या घास या काला प्लास्टिक(50 माईक्रोन पतला) से करने से जमीन में नमी बना रहता है।
- सिंचाई नवम्बर से दिसम्बर तक हर सप्ताह गोल थल्ला बनाकर नाली में पानी देना है। जनवरी से सिंचाई तब तक रोक देना है जब तक फूल(मंजर) से फल मूंग आकार का न हो जाय। फल मूंग आकार का होने के बाद सिंचाई भरपुर करना है।
- मिलीबग लगे पत्ते एवं कोमल डाली को काटकर जला दें या कहीं दूर मिट्टी में गाड़ देना बहुत जरूरी है।



## चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख - रेख

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

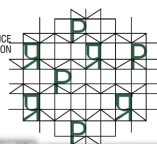




## चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख - रेख

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION



गर्मी (मार्च से जून)

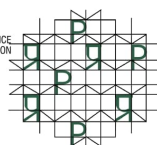
- मार्च एवं जून महीने में 2 बार गोबर खाद के साथ 240 ग्रा0 यूरिया देकर कोड़ा खाभा करना है।
- गोल थल्ला बनाकर महीने में 2बार सिंचाई करें।
- नमी बनाए रखने के लिए थल्ला में मलचीग करते रहें।
- प्रति माह थल्ला में तिरछा छेद कर दीमक नाशी दवा को डालें।
- फूल निकलने से पहले तना छेदक एवं पाउडरी मिल्ड्यू (एक तरह का फफूँद) से बचाने के लिए इकालक्स 2 ग्रा0/ली0 एवं एन्ट्रिकॉल 1 ग्रा0/ली0 पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- अच्छे फल धारण के लिए किचन गार्डेन मिक्चर 3 ग्रा0/ली0 एवं प्लानोफिक्स 1ग्रा0/5ली0 पानी में मिलाकर फूल निकलने के समय में छिड़काव करें।
- मई महीने में पोटैशियम नाइट्रेट 10 ग्रा0/ली0 पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- फल पकने से एक महीना पहले हर 20 पौधा पीछे एक फेरोमन ट्रेप लगाएँ।
- फल मक्खी से बचाव एवं सुन्दर रंग का फल के लिए फल को अखबार या ब्राउन पेपर का थैला पहना दें।



**वृद्धि की पहचान : पौधे के सबसे नीचली डाली से 10 से0मी0 नीचे पौधे की मोटाई को नापना चाहिए पौधे की उँचाई उसकी वृद्धि का पहचान नहीं है**

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION



उम्र/साल में	0	1	2	3	4	5	5-10	10-25
पिछले साल के तुलना में मोटाई में वृद्धि(%)		200-300	80-100	50	>20	15	<10	2%
साल में कितने बार नए पत्ते आना चाहिए ।	6	3	3	3	2	2	2	2

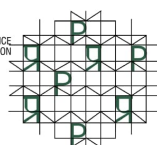


नए पत्ते

**फल तोड़ाई से एक महीना पहले फल को कागज का थैला पहनाना**

प्रदान Pradan

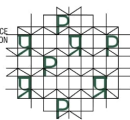
PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION





प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



## फल तोड़ाई एव बिक्री



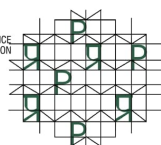
फल तोड़ने से पहले परिपक्व हुआ है या नहीं देखना चाहिए।

इसकी पहचान ये है कि फलों में हल्का पीला रंग आ जाता है। इसके अलावा हमलोग एक जाँच द्वारा भी परिपक्वता (तैयार फल) का अनुमान लगा सकते हैं। एक बाल्टी पानी में तैयार हुए एक फल को डालकर देखना है। अगर फल पानी में डूब जाता है तो तोड़ाई करना है। और पानी के सतह में फल तैरने लगे तो तोड़ाई नहीं करना है।

## तोड़ाई के बाद का रख-रखाव

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION



### वजन के अनुसार फल का ग्रेडिंग

ग्रेड	वजन (ग्राम में)
A	200 - 350
B	351 - 550
C	551 - 800



- तोड़े हुए फल को बाँस की चारी में उलट कर के 2 से 3 घंटे तक रखना है। इसका कारण यही है कि फल तोड़ने के बाद डंठी से निकलने वाले गाद आम पर न पड़े और दाग न लग सके।
- फल में पूर्ण रूप से पक्का हुआ रंग आने के लिए फल को इथोफोन 13मिली/10ली0 पानी के घोल में 10मिनट तक रखना चाहिए। तीन से चार दिन के बाद फल सुन्दर पीला रंग का दिखाई पड़ेगा।
- इसके बाद फल को वजन के अनुसार ए, बी, सी ग्रेड में अलग - अलग रखना है।
- पैकेट में डालने से पहले आम को 2 ग्राम/ली0 बेविस्टिन और पानी के घोल में डुबाकर कुछ समय तक रखना चाहिए। इससे फल ज्यादा दिन तक ताजा रहेगा। इसके बाद साफ सुती कपड़ा से अच्छी तरह साफ कर लेना है एवं कार्टून में सजाकर बिक्री के लिए भेज देना है। एक कार्टून में एक ही ग्रेड के आम होना चाहिए।

## परिवार की आमदनी

प्रदान  
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE  
FOR DEVELOPMENT ACTION

